

# मीमांसा

पत्र संख्या - DSCC - 28

पाठ्यक्रम विवरणम् -

मीमांसाश्लोकवार्तिकम् (शब्दनित्यत्वाधिकरणम्)

शाबरभाष्यम् (शब्दनित्यत्वाधिकरणम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- शब्दस्यानित्यत्वानुमानं तत्र अनैकान्तिकत्वम्, ध्वनेः अभिव्यञ्जकत्वोपपादनम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- शब्दश्रवणविषये वैशेषिकसम्मतस्य वीचीतरङ्गन्यायस्य खण्डनम्, श्रोत्रशब्दार्थविचारः, प्रयोगस्य परिमित्यादिसूत्रत्रयार्थविचारः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- नादवृद्धिपरा इत्यादिसूत्रत्रयार्थविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- संख्याभावादित्यादिसूत्रद्वयार्थविचारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

सहायकग्रन्थाः -

- \* पार्थसारथिमिश्रविरचिता न्यायरत्नाकरव्याख्या

# मीमांसा

पत्र संख्या - DSCC - 29

पाठ्यक्रम विवरणम् -

मीमांसाश्लोकवार्तिकम् (वाक्याधिकरणम्, वेदापौरुषेयत्वाधिकरणं च)  
शाबरभाष्यम् (वाक्याधिकरणम्, वेदापौरुषेयत्वाधिकरणं च)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- वाक्यार्थस्य निर्मूलत्वेन वेदस्याप्रामाण्यपूर्वपक्षः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- पदार्थानां वाक्यार्थमूलत्वम्, पदभेदज्ञानोपायाः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- पदानां नामाख्यातादिरूपेण विभागोपपादनम्, वाक्यार्थस्य अननुमेयत्वम्, वाक्यार्थबोधप्रकारविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- प्रतिषेधविकल्पयोः अन्वयप्रकारः, पदार्थज्ञानस्य वाक्यार्थज्ञाने अव्यभिचारः, वेदस्य नित्यताविचारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

सहायकग्रन्थाः -

- \* पार्थसारथिमिश्रविरचिता न्यायरत्नाकरव्याख्या

## मीमांसा

पत्र संख्या - DSCC - 30

पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाट्टतन्त्ररहस्यम् (संबोधनप्रथमार्थनिरूपणात् ग्रन्थसमाप्तिपर्यन्तम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- प्रथमाविभक्त्यर्थविचारः, कर्मस्वरूपनिर्वचनम्, कर्मत्वलक्षणे अव्याप्तिशङ्का परिहारश्च, द्वितीयान्तस्थले शाब्दबोधप्रकारः, कर्मणि प्रयोगे शाब्दबोधप्रकारः

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- घटं जानातीत्यादौ शाब्दबोधप्रकारः, कर्मत्वस्य अखण्डोपाधिरूपत्वसाधनम्, धात्वर्थस्यापि अखण्डत्वसमर्थनम्, कर्मणः चातुर्विध्यकथनम्, द्वितीयाविभक्त्यर्थविचारः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- तृतीयाचतुर्थीविभक्त्यर्थविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- पञ्चमीषष्ठीसप्तमीविभक्त्यर्थविचारः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

सहायकग्रन्थाः -

- \* श्रीपेरिसूर्यनारायणशास्त्रिविरचितः खण्डदेवभावप्रकाशः
- \* श्री एन् एस् रामानुजताताचार्यविरचिता सारप्रकाशिका